

>

Title: Need to conduct caste based census in the country.

**श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी)** : आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे समय दिया, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय को, सदन के माध्यम से आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा। अभी पिछले सदन में, जनगणना को लेकर, पक्ष-विपक्ष दोनों तरफ के सम्मानित सदस्यों के बड़े विस्तार से विचार आये थे और मेरे ख्याल से लगभग 99 परसेंट सदस्यों ने राय जाहिर की थी कि पूरे भारतवर्ष में जनगणना जातिगत आधार पर होनी चाहिए और उन्होंने अपने बहुत ही अच्छे सुझाव भी रखे थे।

भारतवर्ष में, वर्ष 1931 के बाद से जनगणना जातिगत आधार पर नहीं हुई है। माननीय अध्यक्ष महोदया, हिंदुस्तान जब आजाद हुआ, उस वक्त भारतवर्ष की आबादी 37-38 करोड़ रही होगी, लेकिन आज 1 अरब 18 करोड़ की आबादी में विभिन्न समुदायों और वर्गों के लोगों की संख्या बढ़ी है। उसी के मुताबिक केन्द्र सरकार ने इस सदन के माध्यम से विभिन्न आयोग गठित किए। चाहे अनुसूचित जाति आयोग हो, अनुसूचित जनजाति आयोग हो, अल्पसंख्यक आयोग हो या पिछड़ा वर्ग आयोग हो और हमारी प्लानिंग कमीशन जातीय आधार पर बीपीएल धारकों की सूची बनाती है और जातीय आधार पर धन का आवंटन भी होता है। लेकिन आज जब आबादी इतनी बढ़ गयी है तो जातीय आधार पर उसकी जनगणना होनी आवश्यक है। इसलिए हम आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहेंगे कि जो जनगणना हो रही है उसे तत्काल रुकवाया जाए, क्योंकि सरकार की तरफ से लिखित बयान इस सदन में आया था कि सरकार इस पर विचार कर रही है और जातीय आधार पर जनगणना होगी। हमारी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि जातिगत आधार पर जनगणना की जाए। ... (यवधान)

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वेशाली)** : अध्यक्ष महोदया, इस सदन में यह बात तय हो चुकी है और सरकार ने कहा था कि हम इसे करने जा रहे हैं, औपचारिकता का केवल निर्वाह करना है। ... (यवधान) यह बहुत गंभीर मामला है, सरकार का इस पर जवाब आना चाहिए। ... (यवधान)

**श्री शैलेन्द्र कुमार** : मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार की तरफ से इस विषय में जवाब आये कि सरकार जातिगत आधार पर जनगणना कराएगी या नहीं। माननीय मंत्री जी इसका जवाब दें, यह बहुत ही गंभीर मामला है। ... (यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : यह शून्य प्रश्न चल रहा है, आप अब बैठ जाइये। श्री जगदम्बिका पाल।

**13.00 hrs.**

दे। (यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : आपने अपनी बात कह दी है। अब आप जगदम्बिका पाल जी को बोलने दीजिए।

दे। (यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : आप कृपया दूसरे माननीय सदस्य को बोलने दीजिए।

दे। (यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी)** : अध्यक्ष महोदया, यह कोई मामूली सवाल नहीं है। ... (यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : ठीक है, आप माननीय सदस्य को बोलने दीजिए।

दे। (यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव** : हम इस मुद्दे को कल उठाएंगे। अभी मैं बहिष्कार करता हूँ।

**13.01 hrs.**

*At this stage, Shri Mulayam Singh Yadav and some other*

*hon. Members left the House*

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वेशाली)** : सरकार की तरफ से जनगणना विषय पर कोई उत्तर नहीं मिला है, इसलिए हम भी बहिष्कार करते हैं।

**13.01½ hrs.**

*At this stage, Dr. Raghuvansh Prasad Singh and some other  
hon. Members left the House*

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

श्री जगदम्बिका पाल।